सांध्य दैनिक

4PM

जो अच्छे स्वभाव के मनुष्य होते हैं, उनको बुरी संगति भी बिगाड़ नहीं पाती। जहरीले सांप चन्दन के वृक्ष से लिपटे रहने पर भी उस पर कोई जहरीला प्रभाव नहीं डाल पाते।
–रहीम दास

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 9 ● अंकः 70 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 14 अप्रैल, 2023

सचिन पायलट पर जल्दी में नहीं... 8 | 24 लोक चुनाव के लिए सभी... 3 | जनता से झूठ और अन्याय मैं... 7

अतीक के बेटे के एनकाउंटर पर हंगामा, विपक्ष ने कहा

बंद कर दो अदालतें

» झांसी नहीं पहुंचे परिवार के लोग

» एसटीएफ ने कराई एफआईआर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उमेशपाल हत्याकांड में वांछित अतीक के बेटे असद व शूटर गुलाम के शव को प्रयागराज पुलिस झांसी से लेकर आएगी। उनके शव परिजनों को झांसी में नहीं सौंपे जाएंगे। पुलिस अपनी निगरानी में इनके शव प्रयागराज लेकर जाएगी, जहां पुलिस की निगरानी में ही इन्हें सुपुर्द-खाक किया जाएगा।

उधर एनकाउंटर पर सवाल भी उठने लगा है। जहां विपक्षी दलों ने योगी सरकार पर गलत तरीके से एनकाउंटर करने का आरोप लगाया है वहीं सत्ता पक्ष ने इसपर राजनीति न करने का आग्रह किया। वहीं कुछ मानवाअधिकार से जुड़े संगठन भी इस पर आपत्ति कर रहें । सच क्या है ये तो पुलिस जाने परंतु ऐसे मामलों में सोच समझकर ही प्रतिक्रिया देना उचित है। उधर स्पेशल टास्क फोर्स के डिप्टी एसपी नवेंदु कुमार द्वारा थाना बड़ागांव झांसी में असद व गुलाम एनकाउंटर मामले में एफआईआर दर्ज करवाई। पुलिस ने बताया है कि उन्हें मुखबिरों से असद के होने की सूचना मिली थी। वहीं एक टीम अतीक व अशरफ से पूछताछ के लिए प्रयागराज भी जाएगी। पुलिस का कहना है कि खुफिया जानकारी थी कि अतीक को साबरमती जेल से झांसी के रास्ते प्रयागराज लाने वाले वाहन पर हमला किया जा सकता है।

असद अहमद

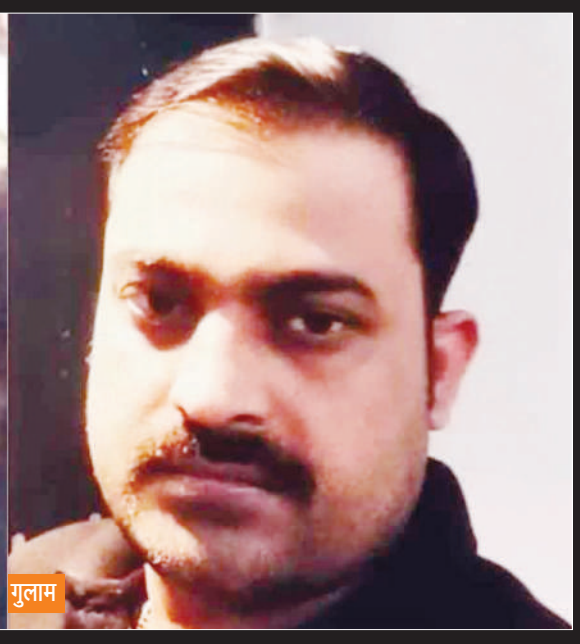

गुलाम

बेटे के जनाजे में नहीं शामिल हो पाएगा अतीक

अतीक अहमद बेटे की मौत के बाद रात भर लॉकअप में सदमे में रहा। बताया जा रहा है कि कानूनी पेचीदगी की वजह से अतीक अपने बेटे के जनाजे में शामिल नहीं हो पाएगा। गुरुवार को देरी की वजह से कोर्ट में कागजात दाखिल नहीं हो पाए। आज कोर्ट बंद है। ऐसे में अब असद के नाना और उसके मौसा बॉडी को लेने झांसी जाएंगे। असद और उसके सहयोगी गुलाम को के शवों को महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज में पोस्टमॉर्टम के लिए रखा है। महारानी लक्ष्मी बाई मेडिकल कॉलेज के बाहर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई गई।

मेडिकल रिपोर्ट में खुलासा

असद को लगीं दो गोलियां, एक छाती में घुसी तो दूसरी पीठ में

असद अहमद एनकाउंटर मामले में असद की मेडिकल रिपोर्ट में बड़ा खुलासा हुआ है। सूत्रों ने इस रिपोर्ट की जानकारी देते हुए बताया है, असद को दो गोलियां लगी है, जिसमें से पहली गोली उसकी पीठ पर लगी है तो वहीं दूसरी गोली असद की छाती में लगी है जो आगे उसकी गर्दन में जाकर फंस गई। सूत्रों ने बताया, असद के साथ ही मारे गए उसके साथी गुलाम को एक गोली उसकी पीठ पर लगी है जो उसकी छाती को चीरती हुई आगे निकल गई।

शूटर गुलाम को नहीं मिला अपनी मां का भी साथ, एनकाउंटर को बताया सही

प्रयागराज। उमेश पाल हत्याकांड में आरोपी रहे शूटर गुलाम के झांसी में एनकाउंटर में मारे जाने के बाद उसकी मां खुशनुदा ने प्रतिक्रिया दी है, उन्होंने कहा कि यूपीएसटीएफ ने कुछ गलत हीं किया है। गुलाम की मां ने कहा कि हम उसकी पत्नी को मना नहीं कर सकते लेकिन हम शव नहीं लेंगे। खुशनुदा ने कहा- जितने भी गंदा काम करने वाले हैं वह जिंदगी भर याद रखेंगे, हमारे हिसाब से (एसटीफ ने) गलत नहीं किया। तुमने किसी को मारकर गलत किया और जब तुम्हारे पर कोई आया तो हम उसको गलत कैसे कहें?। गुलाम का शव लेने के सवाल पर खुशनुदा ने कहा- मैं शव को नहीं लूंगी. उसकी पत्नी का उन पर हक है, मैं उसको मना नहीं कर सकती. मैं अपनी ज़िम्मेदारी लेती हूं कि हम नहीं लेंगे। इसके अलावा गुलाम के भाई राहिल ने कहा- सरकार की तरफ से एनकाउंटर की कार्रवाई सही है। उन्होंने बहुत जघन्य कार्य किया है जिसका हम समर्थन नहीं करते। हम उनका शव लेने नहीं जाएंग। हमने थानाध्यक्ष को अपनी बात बता दी है। अगर कोई इस तरह का कार्य करता है तो आप उसका समर्थन कैसे कर सकते हैं?

दादा की कब्र के पास दफनाया जाएगा असद

यूपी एसटीएफ द्वारा एनकाउंटर में मारे गए गैंगस्टर अतीक अहमद के बेटे असद का अंतिम संस्कार प्रयागराज के ही कसारी मसारी कब्रिस्तान में किया जाएगा। मोहम्मद अरशद मौलाना ने बताया कि अतीक अहमद के पिता का भी अंतिम संस्कार यहीं किया गया था। उनके (असद) परिवार के सदस्य अंतिम संस्कार के दौरान मौजूद रहेंगे

सरेंडर कर सकती है अतीक की पत्नी

माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की पुलिस कस्टडी रिमांड और बेटे असद के एनकाउंटर में मारे जाने के बाद अतीक की पत्नी शाइस्ता सरेंडर कर सकती है। उमेश पाल हत्याकांड में नामजद होने के बाद से शाइस्ता परवीन फरार है। उस पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित है।

मजहब के नाम पर एनकाउंटर : ओवैसी

एआईएमआईएम चीफ और हैदरबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने कहा, कि बीजेपी मजहब के नाम पर एनकाउंटर करती है। कोर्ट और जज किस लिए हैं? अदालतों को बंद कर दो। क्या बीजेपी वाले जुनैद और नासिर के मारने वालों को भी गोली मारेंगे, नहीं क्योंकि ये मजहब के नाम पर एनकाउंटर करते हैं। असदुद्दीन ओवैसी ने कहा, ये एनकाउंटर नहीं कानून की धज्जियां उड़ रही हैं, अगर तुम फैसला करोगे कि गोली से इंसाफ करेंगे तो फिर अदालतों को बंद कर दो।

एनकाउंटर के जरिए हत्या : महुआ

टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने अतीक अहमद के बेटे असद के एनकाउंटर पर यूपी सरकार पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने इसे पूरी तरह से अराजकता करार दिया। महुआ ने कहा मिस्टर अजय बिष्ट जिनका दूसरा नाम मिस्टर ठोक दो था। इसलिए ऐसे सज्जन व्यक्ति के अंतर्गत इस तरह की अराजकता, जंगल राज, एनकाउंटर के जरिए हत्याएं हमेशा फलती फूलती है। इसलिए ऐसा अब भी हो रहा है। मुझे आश्चर्य नहीं है। यह एक प्रकार का कल्चर या जंगल राज है।

भाजपा ध्यान भटकाना चाह रही : अखिलेश

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एनकाउंटर मामले में ट्वीट करते हुए भाजपा पर जमकर हमला बोला। उन्होंने ट्वीट किया कि झूठे एनकाउंटर करके भाजपा सरकार सच्चे मुद्दों से ध्यान भटकाना चाह रही है। भाजपाई न्यायालय में विश्वास ही नहीं करते हैं। आजके और हाल में विभिन्न स्थानों पर हुए एनकाउंटों की भी गहन जांच पड़ताल हो और दोषियों को छोड़ा न जाए। सही गलत के फैसलों का अधिकार सत्ता का नहीं होता है। भाजपा भाईचारे के खिलाफ है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार संविधान में दिए गए जनता के अधिकारों को छीन रही है। संविधान के तमाम प्रावधानों को खत्म कर रही है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा, पहले दिन से बीजेपी चुनाव को देखते हुए एनकाउंटर कर रही है। मैं भाजपा से पूछना चाहता हूं कि जिन अधिकारियों ने एक ब्राह्मण मां-बेटी पर बुलडोजर चलाया उन्हें क्यों नहीं मिट्टी में मिलाया?

उच्चस्तरीय जांच हो : माया

उमेश पाल हत्याकांड के आरोपियों असद और गुलाम के पुलिस मुठभेड़ में मारे जाने पर बसपा प्रमुख मायावती ने सवाल उठाए हैं। उन्होंने मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। मायावती ने ट्वीट कर कहा कि प्रयागराज के अतीक अहमद के बेटे व एक अन्य की पुलिस मुठभेड़ में हुई हत्या पर कई तरह की चर्चाएं हो रही हैं। लोगों को लगता है कि विकास दुबे कांड के दोहराए जाने की आशंका सच साबित हुई है। घटना की सच्चाई जनता के सामने आ सके, इसके लिए उच्च स्तरीय जांच जरूरी है।

जल्द सामने लाएंगे कुछ तथ्य : नूतन

स्पेशल टास्क फोर्स के डिप्टी एसपी नवेंदु कुमार द्वारा थाना बड़ागांव झांसी में असद व गुलाम एनकाउंटर मामले में एफआईआर दर्ज करवाई। एफआईआर की कापी केआधार पर अधिकार सेना की डा. नूतन ठाकुर जल्द ही कुछ बाते सामने लाएंगी। उन्होंने कहा एफआईआर संख्या 74/2023, 75/2023 और 76/2023, में लिखे गए तथ्यों और असद एनकाउंटर में यूपी पुलिस और एसटीएफ के माध्यम से पूर्व में सामने आए तमाम तथ्यों और तस्वीरों से इस मुठभेड़ में बताई जा रही पुलिस की कहानी को लेकर कई गंभीर सवाल उत्पन्न हो रहे हैं। जिन्हें अधिकार सेना शीघ्र ही प्रस्तुत करेगी।

और माफियाओं को कब मिट्टी में मिलाया जाएगा : अखिलेश

» सपा प्रमुख्य ने उत्तर प्रदेश में "फर्जी" मुठभेड़ों पर उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अतीक अहमद के बेटे असद की मुठभेड़ में मौत के संबंध में समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश में ''फर्जी'' मुठभेड़ों पर सवाल उठे हैं। बीजेपी शासित राज्य की इस तरह की कार्रवाइयों पर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) के कई नोटिस मिले हैं। इस दौरान सपा प्रमुख ने सीएम योगी आदित्यनाथ की सरकार को नई चुनौती दे दी।

अखिलेश यादव कानपुर और बीते दिनों बलिया में हुई घटना का जिक्र करते हुए कहा, बलिया में जो मुख्यमंत्री के स्वजातीय लोगों ने यादव जाति के नौजवान की जान लेली, क्या उनको मिट्टी में मिलाएंगे? कानपुर में जिस प्रशासन ने मां बेटी की जान लेली क्या उनको मिट्टी में मिलाएंगे? एक कोशिश हो रही है कि कोई रास्ता निकले जिससे बीजेपी का मुकाबला हो क्योंकि बीजेपी संविधान से खिलवाड़ कर रही है. अपने स्वजातीय अपराधियों पर मेहरबान मुख्यमंत्री बताए! बलिया में मारे गए हेमंत यादव के हत्यारों का कब होगा एनकाउंटर।

'फिल्मी संवाद' बोलने वालों का संविधान में कोई विश्वास नहीं

सपा प्रमुख ने आगे कहा कि आगरा में पुलिस द्वारा फर्जी एनकाउंटर में मारे गए आकाश गुर्जर के हत्यारों का कब होगा एनकाउंटर, उन्होंने सीएम योगी की विधानसभा में की गई उनकी टिप्पणी 'माफिया को धूल में मिला दूंगे' को लेकर भी कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि इस तरह के 'फिल्मी संवाद' बोलने वालों का संविधान में कोई विश्वास नहीं है। सपा प्रमुख ने कहा कि हाल में कानपुर में जब एक मां-बेटी की झोपड़ी पर बुलडोजर चलाकर आग लगा दी गई, तो दोनों की जान चली गई। इसी तरह, एक फर्जी मुठभेड़ (2019 में) में पुष्पेंद्र यादव मारा गया था। कानपुर में पुलिस हिरासत में एक शख्स की मौत हो गई। यादव ने आरोप लगाया कि बलिया में भाजपा कार्यकर्ताओं ने एक होनहार छात्र नेता की हत्या कर दी। बलिया में ही ब्याज खोरों ने एक व्यापारी पर इस कदर दबाव डाला कि उसकी जान चली गई।'' क्या अतीक अहमद के बेटे को फर्जी मुठभेड़ में मार दिया गया, यह पूछे जाने पर यादव ने कहा कि राज्य में ''फर्जी'' मुठभेड़ों को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार पर बार-बार सवाल उठाए गए हैं। उन्होंने दावा किया, ''एनएचआरसी ने उप्र सरकार को (मुठभेड़ जैसी पुलिस कार्रवाई को लेकर) सबसे ज्यादा नोटिस दिए हैं, देश में हिरासत में सबसे ज्यादा मौतें उत्तर प्रदेश में होती हैं।

मध्य प्रदेश में दमदारी से लड़ेंगे चुनाव

मध्य प्रदेश के दो दिवसीय दौरे पर इंदौर पहुंचे सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश में समाजवादी पार्टी का मजबूत संगठन है। समाजवादी पार्टी मध्य प्रदेश में पूरी ताकत से विधानसभा का चुनाव लड़ेगी। उन्होंने पूर्व उप मुख्यमंत्री स्व. सुभाष यादव की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। पार्टी नेताओं के प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित किया। साथ ही विभिन्न स्थानों पर आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लिया। झूठे एनकाउंटर करके भाजपा सरकार सच्चे मुद्दों से ध्यान भटकाना चाह रही है। भाजपाई न्यायालय में विश्वास ही नहीं करते हैं। आजके व हालिया एनकाउंटरों की भी गहन जाँच-पड़ताल हो व दोषियों को छोड़ा न जाए। सही-गलत के फ़ैसलों का अधिकार सत्ता का नहीं होता है।

राजनीति न की जाए : ब्रजेश पाठक

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने माफिया अतीक अहमद के बेटे असद और शूटर गुलाम के एनकाउंटर पर ट्वीट करते हुए कहा कि मिट्टी में मिल गया हत्यारा। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय उमेशपाल के हत्यारों को यूपी एसटीएफ ने जमींदोज किया है। एसटीएफ के जवानों को बहुत बधाई। पाठक ने विपक्षी दलों पर तंज कसते हुए कहा कि अपराधियों की कोई जाति धर्म नहीं होती है। कृपया इसका राजनीतिकरण नहीं करें। उन्होंने कहा कि यूपी से माफियाओं का सफाया हो रहा है। अपराधियों का साथ देने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने भयमुक्त समाज बनाया है। अपराधियों को सजा दिलाने में यूपी नंबर एक है।

हत्यारों का यही हश्र होना था : केशव

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि उमेश पाल एडवोकेट और पुलिस के जवानों के हत्यारों का यही हश्र होना था। मौर्य ने यूपी एसटीएफ को बधाई भी दी है।

ईडी के खिलाफ करूंगा मानहानि का केस : संजय सिंह

» संसद में आवाज उठाने पर चार्जशीट में शामिल किया नाम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने बिना प्रमाण और बयान के ईडी पर झूठा केस बनाने का आरोप लगाया। सांसद संजय सिंह ने ईडी की ओर से केस बनाने का पर्दाफाश करते हुए कहा कि उनका आबकारी नीति मामले से कोई वास्ता नहीं है। इसके बावजूद ईडी की चार्जशीट में उनका नाम आना हैरान करने वाला है। दरअसल उन्होंने संसद में ईडी के खिलाफ आवाज उठाई थी। इसलिए उनके खिलाफ ईडी ने यह साजिश रची।

उन्होंने गत 12 दिसंबर को संसद में ईडी और सीबीआई के दुरुपयोग पर भाषण दिया था और छह जनवरी को ईडी की चार्जशीट में उनका नाम आ गया। नेता संजय सिंह ने सवाल किया कि जब ईडी के पास मेरे खिलाफ कोई बयान नहीं है तो किसके कहने पर वह उनका नाम बदनाम कर रही है। वह ईडी के अधिकारियों के खिलाफ मानहानि का मुकदमा करेंगे। ईडी की चार्जशीट में गत एक अक्टूबर को दिनेश अरोड़ा के बयान के आधार पर उनकी एक शराब की दुकान का ट्रांसफर उनके कहने पर मनीष सिसोदिया ने किया। उन्होंने ईडी के इस आरोप का खंडन करते हुए कहा कि मनीष सिसोदिया को निर्देश देने वाले वह कौन होते हैं। इस मामले का आबकारी नीति से कोई लेना-देना नहीं है।

गिरफ्तारी का सता रहा डर : सचदेवा

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने आप सांसद संजय सिंह के बयान को लेकर उन पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि उनको गिरफ्तारी का डर सता रहा है, क्योंकि उन्हें एहसास हो रहा है कि ईडी का समन और वारंट किसी भी दिन उनके दरवाजे पर आ सकता है। दरअसल संजय सिंह हर दिन शराब कारोबारी दिनेश अरो?ा के पक्ष में बोल रहे हैं और उन्हें पता है कि अरोडा की गवाही से न सिर्फ मनीष सिसोदिया, बल्कि संजय सिंह और आने वाले समय में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भी फंस जाएंगे।

सपा ने कानपुर महानगर के महापौर प्रत्याशी का किया एलान

» झांसी का उम्मीदवार बदला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी ने कानपुर महानगर के महापौर का प्रत्याशी घोषित कर दिया है। वहीं, झांसी नगर निगम के उम्मीदवार को बदला है।सपा ने कानपुर में वंदना वाजपेयी को महापौर पद का प्रत्याशी बनाया है।

झांसी में रघुवीर चौधरी की उम्मीदवारी निरस्त करते हुए सतीश जतारिया को प्रत्याशी घोषित किया है। वह पूर्व विधायक हैं। इसके पहले बुधवार को लखनऊ सहित आठ नगर निगम के महापौर उम्मीदवारों की घोषणा की गई थी।

आप ने निकाय चुनावों के लिए जारी की 143 प्रत्याशियों की सूची

लखनऊ। अकेले दम पर निकाय चुनाव लड़ने का एलान कर चुकी आम आदमी पार्टी (आप) ने उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है। पार्टी ने महापौर के छह उम्मीदवारों के अलावा नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष के 40 और नगर पंचायतों में अध्यक्ष के 97 उम्मीदवारों की घोषणा की है। पार्टी के प्रदेश प्रभारी और सांसद संजय सिंह ने प्रत्याशियों की घोषणा करते हुए बताया कि वाराणसी से शारदा टंडन और गोरखपुर से रमेश शर्मा को महापौर का उम्मीदवार बनाया गया है। जबकि प्रयागराज से मोहम्मद कादिर, मेरठ से ऋचा सिंह, अलीगढ़ से राजकुमार और फिरोजाबाद राजकुमारी वर्मा को महापौर प्रत्याशी बनाया गया है।

प्रतिकूल हालात के बावजूद नीचे रखी गयी महंगाई - निर्मला सीतारमण

बामुलाहिज़ा
कार्टून: हसन ज़ैदी

भाजपा सरकार में युवा बेरोजगार : महबूबा

» चार दिवसीय दौरे पर जम्मू पहुंची पीडीपी अध्यक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। पीडीपी की अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती 14 अप्रैल को जम्मू के चार दिवसीय दौरे पर पहुंची। इस दौरान पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के अलावा कोर ग्रुप और प्रमुख कार्यकर्ताओं से बैठकें कर जम्मू संभाग के सियासी परिदृश्य पर मंथन किया। वह15 अप्रैल को इफ्तार में भी शामिल होंगी।

पार्टी सूत्रों के अनुसार महबूबा मुफ्ती चार दिवसीय दौरे के दौरान जम्मू शहर में ही ज्यादातर समय रहेंगी और पार्टी की गतिविधियों को यहां बढ़ाने के लिए पार्टी नेताओं से चर्चा कर कई फैसले भी लेंगी। महबूबा मुफ्ती जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे की बहाली तक विधानसभा चुनाव नहीं लड़ने का ऐलान कर चुकी हैं। ऐसे में वह पार्टी नेताओं से इस विषय पर भी चर्चा करेंगी कि आगामी विधानसभा चुनाव में पीडीपी का अहम चेहरा कौन रहेगा। वहीं, जम्मू संभाग में पीडीपी की गतिविधियों व आगामी कार्यक्रमों पर भी चर्चा की जाएगी। 15 अप्रैल को पीडीपी नेताओं की तरफ से इफ्तार का आयोजन किया जा रहा है। इसमें भी महबूबा शामिल होंगी। अपने दौरे के दौरान महबूबा मुफ्ती की पत्रकार वार्ता हुई।

A leading term of sale & utility services
G.K.TRADERS
Sales & Services

HAVELLS
RR KABEL WIRES & CABLES
PHILIPS
USHA
Havell's, RR Switch, CAP, USHA PUMP & FAN, Phillips and all kind of Electrical Goods.
G.K.TRADERS
Sales & Services
TAKHWA, VIRAJ KHAND-5, Gomti Nagar, Lucknow -226010
Contact : 9335016157, 9305457187

बिहार से फिर बहेगी नई बयार

24 लोक चुनाव के लिए सभी तैयार

» तेजस्वी-राहुल-केजरीवाल से मिले नीतीश कुमार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

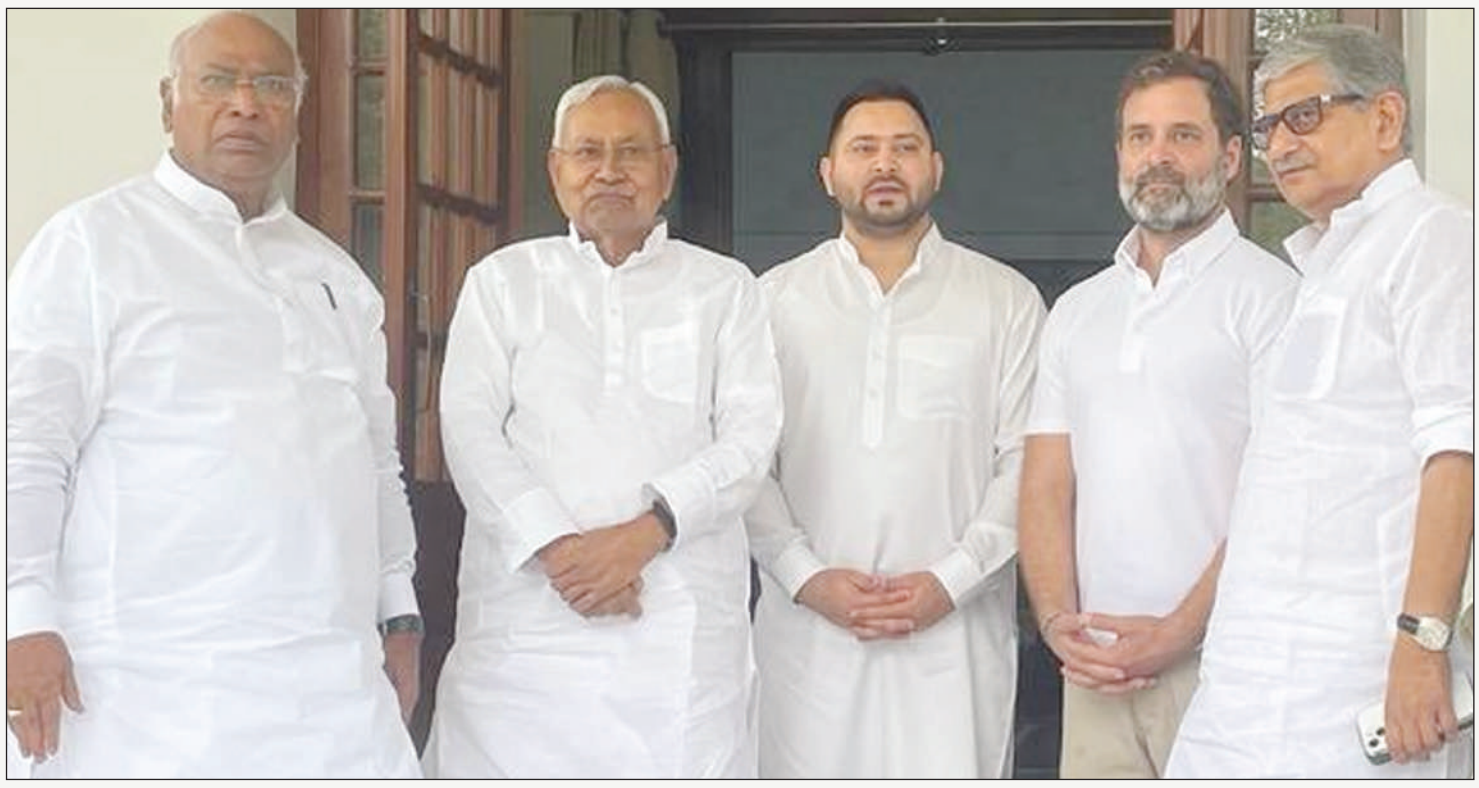

नई दिल्ली। बिहार कभी देश को दिशा व दशा देने वाला राज्य था। यहीं के चंपारन से महात्मा गांधी ने अपना आंदोल चालू कर अंग्रेजी सरकार की चूले हिला दी थी। कभी यहीं के जननायक जयप्रकाश नरायण ने कांग्रेस सरकार के खिलाफ समग्र क्रांति करके तत्कालीन इंद्रा सरकार को घुटने के बल ला दिया था। उसी बिहार से क्या 2024 लोक सभा चुनाव में कुछ नया इतिहास लिखा जाएगा। संकेत तो कुछ इसी प्रकार के दिए जा रहे हैं। इसकी पहल की है राज्य के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने। वह भाजपा की मोदी सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए सारे विपक्षी नेताओं को एकजुट करने की कवायद में जुटें हैं। उनकी मंशा है कि अगर सारा विपक्ष एकजुट हो गया तो भाजपा को लगभग 100 सीटें कम हो जाएंगी। इसी के मद्देनजर उन्होंने दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिार्जुन खरगे, राहुल गांधी, राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव व आप संयांजक अरविंद केजरीवाल से मुलकात की।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव में गठबंधन में चुनाव लड़ने का एलान किया। राहुल गांधी ने भी नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव के साथ हुई बैठक को ऐतिहासिक करार दिया और कहा कि विपक्षी पार्टियां एकजुट होकर भाजपा से लड़ेंगी। गौरतलब है कि राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे से मुलाकात के बाद नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव ने दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल से उनके आवास पर जाकर भी मुलाकात की। अरविंद केजरीवाल ने भी नीतीश कुमार के सभी विपक्षी पार्टियों के एक ही मंच पर लाने की कोशिशों की तारीफ की और अपना समर्थन देने की बात कही। इससे पहले अदाणी मामले पर 19 विपक्षी पार्टियां जेपीसी का गठन करने की मांग को लेकर एक मंच पर एकजुटता दिखा चुकी हैं। नीतीश कुमार खुद की प्रधानमंत्री की दावेदारी से इनकार कर चुके हैं। यही वजह है कि नीतीश कुमार की विपक्ष को एकजुट करने की कोशिशों पर सभी की नजरें हैं।

विपक्ष का नजरिया विकसित करेंगे : राहुल

मौके पर राहुल गांधी ने कहा था कि जो नीतीश जी ने कहा कि विपक्ष को एक करने में बहुत एतिहासिक कदम लिया गया है। कितनी विपक्षी पार्टियों को इकट्ठा करना है। ये एक प्रक्रिया है। विपक्ष का जो भी नजरिया है, उसे हम विकसित करेंगे और जो भी पार्टियां विचारधारा की लड़ाई में साथ आना चाहती हैं उसको लेकर चलेंगे। जो संस्थानों पर आक्रमण हो रहा है, देश पर आक्रमण हो रहा है, उसके खिलाफ हम लड़ेंगे।

गठबंधन को एकजुट करने का प्रयास : नीतीश

नीतीश कुमार ने कहा था कि गठबंधन को एकजुट करने का प्रयास किया गया है। हम सब साथ बैठेंगे और चीजों को तय किया गया है। हम लोगों की इस पर अंतिम तौर पर बात हो गई है। जितने लोग हमारे साथ सहमत होंगे, हम उनके साथ भी बात करेंगे। साथ में बैठने तो दीजिए, हम लोगों को।

शाह से मिले मांझी

बिहार की राजनीति में उठापटक के बीच एक नया मोड़ आ गया है। गुरुवार को बिहार के पूर्व सीएम जीतन राम मांझी ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात की। दिल्ली में गृह मंत्री शाह के साथ हुई बैठक में जीतन राम मांझी के साथ एचवीएम के अन्य कार्यकर्ता भी मौजूद थे। बैठक के बाद मांझी ने कहा कि नीतीश कुमार में पीएम बनने की सभी विशेषताएं हैं। गृह मंत्री से मिलने के कुछ देर पहले पूर्व सीएम जीतन राम मांझी ने कहा था कि कई सारे मुद्दे हैं, जिस बारे में हम चर्चा करेंगे। हालांकि, गृह मंत्री के साथ बैठक के बाद जीतन राम मांझी ने कहा कि एनडीए में शामिल होने का तो सवाल ही नहीं है। मैं नीतीश कुमार के साथ ही रहूंगा। नीतीश कुमार में वह सभी विशेषता है, जो एक प्रधानमंत्री में होना चाहिए। वह विपक्ष को एकजुट करने की ईमानदार कोशिश कर रहे हैं। जीतन राम मांझी की बैठक इसलिए भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है कि क्योंकि एक दिन पहले बुधवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खरगे से मिलने उनके दिल्ली स्थित निवास पहुंचे थे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी इस दौरान खरगे के साथ ही मौजूद रहे। सभी नेता विपक्षी एकता के मुद्दे को लेकर आपस में बैठक कर रहे थे। तेजस्वी के अलावा सभी नेताओं ने अपना-अपना पक्ष रखा। विपक्षी नेताओं ने एकजुट होने पर सहमति दी थी।

संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग हो रहा : श्याम रजक

पूर्व मंत्री और राजद नेता श्याम रजक ने एक बार फिर से केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि देश में संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग हो रहा है। सीबीआई-ईडी समेत कई संस्थाओं का दुरुपयोग किया जा रहा है। जनता सब देख रही है। वह 2024 के चुनाव में जवाब देगी। दरअसल, पूर्व मंत्री श्याम रजक पटना में अघोषित आपातकाल संघर्ष मोर्चा की ओर से निकाले गए मौन जुलुस में शामिल हुए थे। इसके बाद उन्होंने मीडिया से बातचीत करने हुए केंद्र सरकार पर निशाना साधा।

जदयू बहुत छोटी पार्टी है : सुधाकर

पूर्व कृषि मंत्री और राजद विधायक सुधाकर सिंह ने कहा कि जहां तक मुझे पता है यूपीए की कन्वेनर सोनिया गांधी हैं। अभी तक ऐसी कोई बैठक नहीं हुई है जिसमें यह निर्णय लिया गया हो कि किसी को नए नेता को कन्वेनर बनाया जा रहा है। अगर यूपीए कोई नया कन्वेनर बनाता है तो उनका स्वागत है। राष्ट्रीय स्तर के मसले राष्ट्रीय स्तर पर ही हल किए जाते हैं। अभी तक किसी भी नए कन्वेनर की घोषणा नहीं हुई है। नीतीश कुमार को यूपीए का कन्वेनर बनने से बिहार को कितना फायदा होगा इस सवाल पर सुधाकर सिंह ने कहा कि फायदा और नुकसान का आंकलन हम पटना में बैठकर नहीं कर सकते। अगर कांग्रेस का ही कोई नेता ही अगर यूपीए को नेतृत्व बनता है तो उसका ज्यादा असर होगा। क्योंकि कांग्रेस राष्ट्रीय पार्टी है।

भाजपा नेताओं ने बोला हमला

भाजपा नेता खुशबू सुंदर ने भी विपक्षी नेताओं की इस मुलाकात पर निशाना साधा और ट्वीट करते हुए लिखा कि एक निरर्थक समूह, जो उन्हें महाभारत के कौरवों की याद दिलाता है। अच्छी कोशिश की है कांग्रेस ने लेकिन आप पहले से जानते हैं कि विजेता कौन है! भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने भी विपक्षी एकता पर तंज कसा और कहा कि यह भ्रष्टाचार में डूबी पार्टियों का ठगबंधन है।

भ्रष्टाचार के सारे प्रतीक जुट रहे : सम्राट

गुरूवार को बिहार भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी नीतीश कुमार पर जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार को बिहार की चिंता करनी चाहिए। बिहार में दंगा हो रहा है, बिहार में बेरोजगारी चरम पर है, बेरोजगार लोग सड़क पर आन्दोलन कर रहे हैं और नीतीश कुमार फाइव स्टार होटल में आराम कर रहे हैं। सम्राट चौधरी ने कहा कि देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सफाई का काम तो कर ही रहे हैं, शौचालय बना ही रहे हैं, जलाशय को भी ठीक करा रहे हैं। इतना ही नहीं अमृत काल में तालाब भी बना रहे हैं और इसके साथ साथ जितने भी भ्रष्टाचारी हैं उनकी भी सफाई का काम प्रधानमंत्री कर रहे

हैं। सम्राट चौधरी ने मुख्यमंत्री नीतीश के दिल्ली दौरे पर तंज कसते हुए कहा कि यह स्वाभाविक है वहां सारे कचरे एक साथ मिल रहे हैं, कचरे इसीलिए मैंने कहा क्योंकि वहां सब लोग भ्रष्टाचारी एक हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार सबसे पहले लालू यादव के चरण में गिरे, फिर वहां से राहुल गांधी के पास गए, और फिर केजरीवाल के पास गए। इन सब को आप जब देखेंगे तो यह सारे लोग इस देश में भ्रष्टाचार के प्रतीक बन चुके है। सम्राट चौधरी ने कहा कि आज मैंने देखा किसी व्यक्ति ने एक फोटो लगाया है जिसमें खरगे अगली बार राष्ट्रपति बनना चाहते हैं, उसके बाद राहुल गांधी प्रधानमंत्री बनना चाहते हैं, नीतीश कुमार जी प्रधानमंत्री बनना चाहते हैं, उसके बाद तेजस्वी यादव सीएम बनना चाहते हैं। सब लोगों की अगर इच्छा है कि वह प्रधानमंत्री बने तो नीतीश कुमार जोड़ेंगे किसको। अगर सब लोग मिलकर कोई बात करते तो कोई बात होती लेकिन नीतीश कुमार सब से वन टू वन बात कर रहे हैं।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

खतरे के आधार पर ही मिलेगी सुरक्षा

केंद्र सरकार भी इसी तर्ज पर किसी व्यक्ति या पूर्व राज्यपाल को सुरक्षा प्रदान करती है। केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों द्वारा किए गए खतरे के मूल्यांकन के आधार पर किसी व्यक्ति को जेड प्लस, जेड, वाई प्लस, वाई और एक्स, श्रेणी का सुरक्षा कवर मुहैया कराया जाता है। केंद्र और राज्य सरकार द्वारा प्रदान किए गए सिक्योरिटी कवर की समय-समय पर समीक्षा की जाती है।

जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपालों को किस तरह का सिक्योरिटी कवर मिला है, उन्हें कितने समय तक सुरक्षा दी जाती है और अभी तक कितने सेवानिवृत्त राज्यपालों को सुरक्षा मिल रही है इस तरह के सवाल एक आरटीआई के माध्यम से केंद्रीय गृह मंत्रालय से किए गए हैं। इन सवालों का जवाब देते हुए कहा कि संबंधित व्यक्ति के खतरे को देखते हुए उन्हें सिक्योरिटी कवर दी जाती है। पिछले दिनों जम्मू-कश्मीर सहित चार प्रदेशों के राज्यपाल रहे सत्यपाल मलिक ने अपनी जान को खतरा बताया था। पाकिस्तान के आतंकी समूह, जिनके गुर्गे कश्मीर घाटी में मौजूद हैं, पूर्व राज्यपाल मलिक उन्हीं के शॉप शूटरों के निशाने पर बताए जाते हैं। मलिक के कार्यकाल के दौरान ही जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 खत्म किया गया था। उसके बाद से ही वे आतंकियों के निशाने पर रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, जब वे जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल थे, तभी मिलिट्री इंटेलिजेंस ने इनपुट दिया था कि उन्हें शार्प शूटर निशाना बना सकते हैं। उसके बाद जम्मू-कश्मीर पुलिस सुरक्षा विंग ने भी उनकी सुरक्षा को पुख्ता बनाने की बात कही। मलिक की सुरक्षा को लेकर जेएंडके प्रशासन ने केंद्रीय गृह मंत्रालय को अलर्ट किया था। अब वे राज्यपाल के पद से हट चुके हैं, इसलिए उनके पास किसी भी श्रेणी का सिक्योरिटी कवर नहीं है। आरटीआई में पूछा गया कि देश में रिटायरमेंट के बाद कुल कितने राज्यपालों को सुरक्षा मिल रही है। रिटायरमेंट के बाद राज्यपालों को किस श्रेणी की सुरक्षा मिलती है। कितने समय तक सुरक्षा कवर प्रदान किया जाता है। जम्मू-कश्मीर के कुल कितने सेवानिवृत्त राज्यपालों को सुरक्षा मुहैया प्रदान की गई है। साथ ही पूर्व राज्यपालों को किस श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की जा रही है। जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपालों को कितनी अवधि तक सिक्योरिटी कवर प्रदान किया गया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय की आईएस-1 डिवीजन/बीआईपी सिक्योरिटी यूनिट द्वारा आरटीआई के जवाब में कहा गया है कि रजनीश कपूर का आवेदन 16 अप्रैल को मिला था। उसमें छह सवालों का जवाब मांगा गया था। किसी भी व्यक्ति या पूर्व राज्यपाल को जो सुरक्षा मुहैया कराई जाती है, उसका आधार सुरक्षा एजेंसी द्वारा किया गया खतरे का मूल्यांकन होता है। यह सुरक्षा प्रदान करने की जिम्मेदारी, उस राज्य या केंद्रशासित प्रदेश की होती है, जहां पर संबंधित व्यक्ति या पूर्व राज्यपाल रहते हैं। राज्य सरकार के पास खुद का वह मेकेनिज्म होता है, जिसके माध्यम से किसी व्यक्ति को किस तरह का खतरा है, यह पता लगाया जाता है। खतरे का मूल्यांकन किया जाता है। इस आधार पर किसी व्यक्ति को सुरक्षा प्रदान की जाती है। राज्य सरकार या यूटी प्रशासन द्वारा संबंधित व्यक्ति/पूर्व राज्यपाल को दी गई सुरक्षा की समीक्षा भी की जाती है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

सिद्धांतहीनता के विरोध से लोकतंत्र का भला

विश्वनाथ सचदेव

चार राज्यों के चुनाव इस वर्ष हो जाएंगे, और अगले साल आम चुनाव हैं ही। राजनीतिक दलों की सक्रियता स्वाभाविक है, पर चुनाव-प्रचार की दृष्टि से भारतीय जनता पार्टी बाकी राजनीतिक दलों से काफी आगे दिख रही है। परिणाम तो मतदाता ही तय करेगा, पर राजनीतिक दलों में दावों और वादों की भरमार और रफ्तार की तेज़ी इतना तो बता ही रही है कि अगला चुनाव कांटे का होगा। इस राजनीतिक घमासान में मतदाता की उदासीनता कुछ परेशान करने वाली है। यह सही है कि मतदाता के पास अपनी आवाज उठाने का मौका चुनाव के अवसर पर ही आता है, पर जनतांत्रिक व्यवस्था का तकाज़ा है कि मतदाता में जागरूकता होनी ही नहीं, दिखनी भी चाहिए। सोशल मीडिया के इस युग में मतदाता के हाथ में एक महत्वपूर्ण हथियार आ गया है, दिखना चाहिए कि मतदाता इस हथियार का उपयोग कर रहा है। एक सीमा तक ऐसा हो भी रहा है, पर वैसा कुछ दिख नहीं रहा जैसा दिखना चाहिए।

संसद का बजट सत्र अभी हाल ही में समाप्त हुआ है। इस सत्र में सत्तारूढ़ दल और विपक्ष दोनों का व्यवहार निराशाजनक ही नहीं रहा, शर्मनाक भी था। सारा सत्र शोर-शराबे की भेंट चढ़ गया। आश्चर्य की बात तो यह है कि संसद की कार्यवाही में रुकावट डालने का काम दोनों पक्षों ने किया। विपक्ष द्वारा संसद की कार्यवाही में रुकावट डालकर सत्तारूढ़ दल को किसी प्रस्ताव पर सहमत करना तो समझ में आता है, पर शायद ही पहले कभी सत्तारूढ़ दल द्वारा संसद की कार्यवाही को रोकने की कोशिश करते देखा गया है। पर इस बार हुआ ऐसा। सत्तारूढ़ दल को किसी भी शर्त पर यह स्वीकार नहीं था कि कांग्रेस के नेता राहुल गांधी 'देश का अपमान' करने की सज़ा पाये बिना संसद की कार्यवाही में भाग लें और लगभग समूचे विपक्ष की जिद थी की 'अडानी-कांड' की जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति का पहले गठन हो, फिर संसद की कार्यवाही आगे बढ़ेगी। दोनों ही पक्षों की इस रणनीति ने संसद का मज़ाक बनाकर रख दिया।

यह समझना आसान नहीं है कि हमारी संसद ने इस सत्र का आधे से अधिक काम, जिसमें बजट पारित करना भी शामिल है, बिना किसी बहस के, शोर-शराबे के बीच निपटा दिया। हां, यही शब्द काम में लिया जा सकता है इस तरीके के लिए जो हमारी संसद में अपनाया गया। जहां तक विपक्ष द्वारा कार्यवाही में बाधा डालने का सवाल है, आज का सत्तारूढ़ दल, भाजपा इसे पहले ही अपना मान्य हथियार कह

चुका है। स्वर्गीय सुषमा स्वराज और स्वर्गीय अरुण जेटली जब संसद में थे तो उन दोनों ने संसद के काम में रुकावट डालने को काम करने का ही एक उदाहरण बताकर अपने काम की सफाई दी थी। उनका यह मानना-कहना पूरी तरह गलत भी नहीं था। जब भारी बहुमत वाला सत्तारूढ़ दल विपक्ष की कोई भी बात स्वीकारने के मूड में न हो तो विपक्ष के पास अपना असंतोष जताने का और कौन-सा रास्ता बच जाता है? जब भाजपा विपक्ष में थी तो उसने इसी राह पर चलना जरूरी समझा, और अब जबकि भाजपा-विरोधी दल विपक्ष में हैं, उन्हें लग रहा है कि संसद की कार्यवाही में बाधा डालकर ही वे अपनी उपस्थिति की महत्ता साबित कर सकते हैं। परिणाम देश के सामने है संसद का एक और सत्र धुल गया। सवाल सिर्फ संसद चलाने के लिए होने वाले खर्च की बर्बादी का नहीं है। वैसे, एक आकलन के अनुसार संसद की कार्यवाही पर प्रति मिनट ढाई लाख रुपये खर्च होते हैं! यानी हर सत्र पर करोड़ों रुपये का खर्च। और यह सब तब पानी में बह जाता है जब हमारी संसद में ऐसा कुछ होता है, जैसा इस सत्र में हुआ। पर इसकी चिंता किसे है? चिंता इस देश के नागरिक को होनी चाहिए जनता को पूछना चाहिए अपनी सरकार से कि क्या उसे इसलिए सत्ता में बिठाया गया था कि वह अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए ऐसी ज़िद पर अड़ जाये जिसका कोई महत्व ही न हो। लंदन में जाकर भारतीय जनतंत्र की स्थिति पर राहुल गांधी द्वारा कुछ कहा जाना सरकार की दृष्टि में इतना बड़ा अपराध कैसे बन गया कि संसद की कार्यवाही ठप करना जरूरी समझा गया? और जेपीसी की मांग करके आखिर विपक्ष ने ऐसा क्या मांग लिया था जो किसी भी कीमत पर दिया नहीं जा सकता था? यह और ऐसे सवाल मतदाता को अपने नेताओं से पूछने चाहिए। सवाल करना जनता का अधिकार है, और कर्तव्य भी।

अब सवाल यह उठता है कि देश की जनता अपने इस अधिकार का उपयोग करती है या नहीं? अपने इस कर्तव्य का पालन करती है या नहीं? विधानसभाओं और संसद में निर्वाचित होकर जाने वाले राजनेता हमारे नेता नहीं, प्रतिनिधि हैं। हमारा अधिकार है उनके काम-काज पर नजर रखने का। वे कुछ अच्छा कर रहे हैं तो उनकी पीठ थपथपाने का और यदि वह हमारी अपेक्षाओं के अनुरूप काम नहीं कर रहे तो उनसे सवाल पूछना भी हमारा कर्तव्य है।

ऊर्जा आत्मनिर्भरता से समृद्धि की राह

ज्ञानेन्द्र रावत

जलवायु परिवर्तन खतरों से निपटने में यह बेहद जरूरी है कि भारत इस सदी के आखिर तक तापमान बढ़ोतरी की दर को डेढ़ डिग्री तक सीमित रखने में कामयाबी पा ले। लेकिन यह तब तक संभव नहीं है जब तक कि समूची दुनिया जीवाश्म ईंधन से स्वच्छ ऊर्जा को अपनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़े। इस प्रक्रिया को ऊर्जा रूपान्तरण भी कहा जाता है। हरित ऊर्जा के क्षेत्र में आज से 25 साल बाद भारत के आत्मनिर्भर बनने का दावा किया जा रहा है। यह दावा हरित ऊर्जा पर निवेश बढ़ने के आसार के मद्देनजर जलवायु खतरों से निपटने की दिशा में आईएफसी के कदम के आधार पर किया जा रहा है।

गौरतलब है कि विश्व बैंक की नयी पहल के चलते निजी क्षेत्र में कोयला आधारित बिजली परियोजनाओं में निवेश के रास्ते बंद हो जाने के कदम को जलवायु खतरों से निपटने की दिशा में खासा महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इसका सबसे बड़ा कारण ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में कोयले की सर्वाधिक भागीदारी है। हाल ही में आईएफसी यानी विश्व बैंक की शाखा अंतर्राष्ट्रीय वित्त निगम द्वारा नयी कोयला आधारित परियोजनाओं में निवेश को मंजूरी नहीं देने की घोषणा को बहुत बड़ी राहत माना जा रहा है, जिसे हरित ऊर्जा के क्षेत्र में निवेश बढ़ने के रूप में देखा जा रहा है। दुनिया के जलवायु विशेषज्ञ आईएफसी के इस फैसले को इस दिशा में अकेले भारत ही नहीं बल्कि समूची दुनिया के लिए बेहद अहम मान रहे हैं। आईएफसी का यह फैसला पेरिस समझौते की महत्वाकांक्षाओं के आलोक में देखा जा रहा है। आईएफसी ने भारत में कथित तौर पर लगभग 88 वित्तीय संस्थाओं को अनुमानत: पांच बिलियन डॉलर का ऋण दिया है। आईएफसी के इस फैसले के बाद भारत भी उन्हीं कोयला बिजली परियोजनाओं पर आगे बढ़ेगा जो पहले से स्वीकृत हैं। बीते कुछ समय से वैश्विक स्तर पर नवीन कोयला परियोजनाओं में निजी क्षेत्र का निवेश लगातार घट रहा है। इन हालात में यह कदम भारतीय राज्य उपयोगिताओं को कोयले से चलने वाले नवीन संयंत्रों से दूर जाने के लिए प्रेरित करेगा और उन्हीं संयंत्रों को पूंजी देगा जो निर्माण प्रक्रिया के अंतिम चरण में हैं।

सबसे बढ़ी बात यह कि आईएफसी ने 2020 में जो नीति बनायी थी उसके तहत उसने अपने ग्राहकों को 2025 तक कोयला परियोजनाओं में अपना एक्सपोजर कम करने और 2030 तक उसे शून्य किये जाने पर जोर दिया था। लेकिन खास बात यह थी कि उसमें निवेश पर रोक लगाने का कोई संकेत नहीं था। अब आईएफसी की इस नयी घोषणा से कोयला आधारित नये संयंत्रों के नये निवेश पर पूरी तरह रोक लगा दी गयी है। दुनिया में पवन ऊर्जा के उत्पादन बढ़ाने पर काफी जोर दिया जा रहा है। इसका अहम कारण सौर ऊर्जा उत्पादन में वृद्धि के संकेत हैं। ग्लोबल विंड एनर्जी काउंसिल की हालिया रिपोर्ट साबित करती है कि वह बात दीगर है कि 2022 में इस क्षेत्र में अपेक्षा के मुताबिक प्रगति नहीं हुई है लेकिन आने वाले चार सालों में यानी 2027 तक कुल 680 गीगावाट पवन ऊर्जा क्षमता जुड़ने की उम्मीद है। उसी हालत में दुनिया नेट जीरो के लक्षण हासिल कर पायेगी। दुनिया में हर साल पवन ऊर्जा उत्पादन में 136 गीगावाट की वृद्धि की उम्मीद है जबकि भारत में यह बढ़ोतरी केवल 8 गीगावाट सालाना की दर से हो सकती है। यही वह अहम वजह है जिसके चलते दुनिया में पवन ऊर्जा उत्पादन बढ़ाने की दिशा में निवेश बढ़ने पर जोर दिया जा रहा है।

ग्लोबल विंड एनर्जी काउंसिल की मीटिंग से साफ हो जाता है कि अमेरिका और यूरोप में साल 2025 से ही टरबाइनों और घटकों के लिए आपूर्ति की बाधा आने की प्रबल आशंका है जबकि इसके विपरीत चीन में पवन ऊर्जा उद्योग में तेजी से उछाल आ रहा है। उस हालत में यदि भारत की बात करें तो भारत ब्लेड निर्माण में 11, टरबाइन जेनरेटर में 7 और गियरबॉक्स निर्माण में 12 फीसदी की हिस्सेदारी के साथ वैश्वीकरण पवन ऊर्जा आपूर्ति शृंखला में एक अद्वितीय महत्वपूर्ण स्थिति में है। भारत में सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा या बायोगैस जैसी नवीकरणीय ऊर्जा की अपार संभावनाएं हैं। ये निजी क्षेत्र के लिए सोने की खदान जैसी हैं। हरित ऊर्जा क्षेत्र में व्यापक बदलाव के लिए हमें जरूरत है कि नवीकरणीय ऊर्जा का उत्पादन बढ़ायें, अर्थव्यवस्था में जीवाश्म ईंधन के उपयोग को कम करें और तेजी से गैस आधारित अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ें, तभी हम 2030 तक 500 गीगावाट की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता हासिल कर सकते हैं।

हम आने वाले 6-7 सालों में अपनी बैटरी भंडारण क्षमता 125 गीगावाट कर सकते हैं और जरूरी है कि 2030 के बजाय उससे चार-पांच साल पहले ही पेट्रोल में 20 फीसदी एथेनॉल मिलाने में कामयाबी पा लें। जहां तक बायोगैस का संबंध है, भारत में गोबर से 1000 करो? घन मीटर बायोगैस व कृषि अवशेषों से 1.5 लाख घन मीटर गैस उत्पादन की क्षमता है। यह जैव ईंधन रणनीति का एक अहम हिस्सा है। नौवहन के क्षेत्र में भी भारत 2030 तक कार्बन उत्सर्जन 30 फीसदी कम करने के लिए देश के बंदरगाहों में प्रदूषण के शमन के उपयोग पर तेजी से कार्य कर रहा है। विश्व बैंक ने भी भारत के तेज गति से हो रहे विकास को सराहा है। अमेरिकी ऊर्जा विभाग की एक हालिया रिपोर्ट का कहना है कि वर्ष 2047 तक भारत ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की ओर अग्रसर है।

खून में घुलकर ब्रेन डैमेज कर सकता है अमोनिया

जिंक से भरपूर खाद्य पदार्थों का करें अधिक सेवन

कोलेस्ट्रॉल, यूरिक एसिड और शुगर की तरह खून में अमोनिया का लेवल बढ़ना भी सेहत के लिए खतरे की बात है। ब्लड में इसका लेवल बढ़ने के मेडिकल भाषा में हाइपरमोनमिया कहा जाता है। अमोनिया आपकी खून की नसों और रीढ़ की हड्डी के लिए विषैला होता है। अमोनिया को NHx के रूप में भी जाना जाता है। यह अपशिष्ट उत्पाद है जिसे आपकी आंतें तब बनाती हैं जब वे प्रोटीन को पचाती हैं। आम तौर पर इसे आपका लिवर इसे संसाधित करता है और यह पेशाब के जरिये बाहर निकल जाता है। अगर किसी वजह से लिवर इसे खत्म नहीं कर पाता है, तो यह खून में इकठ्ठा होने लगता है। ध्यान रहे कि हाइपरमोनमिया एक जानलेवा स्थिति है और इसके लिए तुरंत उपचार की जरूरत होती है। अमोनिया बढ़ने के क्या कारण हैं, इसके क्या नुकसान हैं और इसका लेवल कैसे कम किया जा सकता है। जिंक अमोनिया को कम करने में मदद कर सकता है। लिवर की बीमारी वाले लोगों में जिंक का लेवल कम होता है। इसके लिए आप जिंक से भरपूर खाद्य पदार्थों का अधिक सेवन कर सकते हैं या डॉक्टर की सलाह पर जिंक सप्लीमेंट ले सकते हैं।

एनिमल प्रोटीन से बचें

अन्य प्रकार के पशु प्रोटीन की तुलना में रेड मीट प्रोटीन से आपके रक्त में अमोनिया को बढ़ाने की अधिक संभावना है। इसके बजाय आप चिकन जैसा हल्का मांस खा सकते हैं, बेहतर है कि इससे भी बचें।

अमोनिया बढ़ने के लक्षण

जब अमोनिया शरीर से बाहर नहीं निकल पाता है और खून में जमा होने लगता है, तो पीड़ित को कई लक्षण महसूस हो सकते हैं जिनमें मुख्यत: सिरदर्द होना, मतली या उल्टी, कोमा, चिड़चिड़ापन, बोलने या संभलने में परेशानी होना, व्यवहार में बदलाव, दौरे पड़ना, नींद नहीं आना।

अमोनिया लेवल बढ़ने के कारण

क्लीवलैंड क्लिनिक के अनुसार, शरीर में अमोनिया का लेवल बढ़ने का सबसे बड़ा कारण लिवर से जुड़े रोग हैं। अगर आप किसी तरह के लिवर के रोग से पीड़ित हैं, तो आपके खून में इसकी मात्रा बढ़ सकती है। इसकी वजह यह है की लिवर इसे सही तरह संसाधित नहीं कर पाता है। इसके अलावा किडनी या लिवर फेलियर होना, कुछ जेनेटिक कारण और खाने-पीने की कुछ चीजें जैसे प्याज, सोयाबीन, आलू के चिप्स सलामी और मक्खन में इसकी मात्रा अधिक पाई जाती है।

प्लांट बेस्ड फूड का सेवन करें

बीन्स और दाल का प्रोटीन एनिमल प्रोटीन की तुलना में अधिक धीरे-धीरे पचता है। यही वजह है कि आपके शरीर के पास पचने के दौरान निर्मित अमोनिया का निपटान करने के लिए अधिक समय होता है।

खाने में प्रोबायोटिक्स करें शामिल

प्रोबायोटिक्स फायदेमंद बैक्टीरिया होते हैं जो आपको खाद्य पदार्थों को पचाने में मदद करते हैं और आपको बीमारी से बचाते हैं। ये बैक्टीरिया आपके आंत को अधिक प्रभावी ढंग से अमोनिया को पचाने और खत्म करने में मदद कर सकते हैं। आप किण्वित डेयरी उत्पाद जैसे केफिर साउरक्राट आदि का सेवन कर सकते हैं। रोजाना दही खाने की कोशिश करें क्योंकि दही में प्रोबायोटिक्स अधिक होता है।

हंसना मना है

मैडम क्लास का ग्रूप फोटो बच्चों को दिखाकर बोली- जब तुम बड़े हो जाओगे तो इस फोटो को देखकर कहोगे। ये रहा राजू जो अमेरिका चला गया, ये रहा रवि जो लंदन चला गया, और ये रहा रलदू जो यहीं का यहीं रह गया, ये बात सुनकर रलदू बोला- और ये रही हमारी मैडम जिनका देहांत हो गया, ठोको ताली।

अध्यापिका ने एक बच्चे से सवाल किया बताओ 15 अगस्त को हमें क्या मिली थी? छात्र-मेडम छोटे से कटोरे मे जरा सी बूंदी।

मैडम बच्चे से- तेरी कॉपी और पेन कहां है.. बच्चा- मेम जबसे आपको देखा, क्या कॉपी और क्या पेन, तेरे मस्त-मस्त दो नैन, मेरे दिल का ले गये चैन, खो गई कॉपी, गुम गया पेन!

टीचर- मैं जो पूछूं उसका जवाब फटाफट देना, संजू- जी सर, टीचर- भारत की राजधानी बताओ? संजू- फटाफट, टीचर अभी तक संजू को पीट रहा है।

एक बार भूगोल की टीचर ने बच्चों से पूछा - गंगा कहां से निकलती है और कहां जाकर मिलती है..एक बच्चे ने खड़े होकर कहा - मैडम गंगा घर से निकलती है और स्कूल के पीछे जाकर कालू से मिलती है।

कहानी | भूखा राजा और गरीब किसान

एक राजा अपने राज्य में रात को अपना रूप बदलकर घूमता था। लोगों से मिलकर अपने यानी राजा के बारे में जानने की कोशिश करता और उनकी समस्याओं को समझता था। एक रात अचानक जोर से बारिश होने लगी। उसने देर किए बिना एक गरीब के घर का दरवाजा खटखटाया। राजा के दरवाजा खटखटाने के बाद घर से एक व्यक्ति निकला। वह एक गरीब किसान था, जो अपनी पत्नी और बच्चों के साथ रहता था। बारिश तेज थी, तो किसान ने राजा को अंदर आने के लिए कहा। राजा ने घर में जाने के बाद पूछा, 'क्या आप मुझे कुछ खिला सकते हैं। मुझे बहुत तेज भूख लगी है।' वो गरीब किसान और उसका परिवार 3 दिनों से भूखा था और उसके घर में एक भी दाना अन्न का नहीं था। किसान के मन में हुआ कि भले ही हम भूखे हैं, लेकिन अपने अतिथि को यूं भूखा नहीं रख सकते। अब किसान ये सोचकर बेचैन हो गया कि अपने अतिथि का पेट कैसे भरा जाए, तभी उसने घर के सामने वाली दुकान से चावल चुराने की तरकीब सोची। उसने सिर्फ अतिथि के लिए ही दो मुट्ठी चावल लिया और उसे पकाकर राजा को खिला दिया। तब तक बारिश रुक गई थी और राजा अपने घर चला गया। दूसरे दिन दुकान का मालिक अनाज की चोरी की शिकायत लेकर राजा के पास पहुंचा। राजा ने दुकान के मालिक और उस गरीब किसान को अपनी सभा में प्रस्तुत होने का आदेश दिया। सबसे पहले सभा में पहुंचे किसान ने राजा के सामने जाकर अपनी चोरी का इल्जाम कबूल कर लिया। किसान राजा से कहता है कि मैंने चोरी की, लेकिन मेरे परिवार ने उस अनाज का एक निवाला भी नहीं खाया। गरीब किसान की बातें सुनकर राजा बहुत दुखी हुआ और उसने किसान को बताया कि अतिथि के रूप में मैं स्वयं तुम्हारे घर आया था। इसके बाद राजा ने सभा में पहुंचे दुकानदार से पूछा कि क्या आपने अपने पड़ोसी को चोरी करते हुए देखा था। दुकानदार ने जवाब दिया कि हां मैंने इसे रात में चोरी करते हुए देखा था। दुकानदार की बात सुनने के बाद राजा कहता है कि इस चोरी के लिए मैं पहले जिम्मेदार हूं और फिर दूसरा तुम हो, क्योंकि तुमने अपने पड़ोसी को अनाज की चोरी करते हुए देखा। मगर कभी उसके भूखे परिवार को नहीं देखा। तुम अपने पड़ोसी होने का धर्म बिल्कुल निभा नहीं पाए। इतना कहने के बाद राजा ने दुकानदार को सभा से जाने के लिए कह दिया और किसान की अथिति निष्ठा भाव को देखकर उसे एक हजार सोने के सिक्के इनाम के रूप में दे दिया।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष - वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। जरा सी लापरवाही से अधिक हानि हो सकती है। पुराना रोग बाधा का कारण बन सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें।

वृषभ - पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। अनहोनी की आशंका रहेगी। शत्रुभय रहेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। कारोबार में वृद्धि होगी।

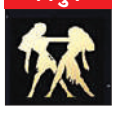

मिथुन - प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी। जीवन साथी से अनबन हो सकती है। स्थायी संपत्ति खरीदने-बेचने की योजना बन सकती है। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी।

कर्क - नौकरी और व्यापार में लाभ के अवसर हाथ आएंगे। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। व्यापार में अधिक लाभ होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी।

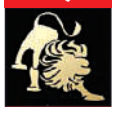

सिंह - पारिवारिक समस्याओं में इजाफा होगा। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। भागदौड़ रहेगी। दूर से बुरी खबर मिल सकती है। विवाद को बढ़ावा न दें।

कन्या - पुराने किए गए प्रयासों का लाभ मिलना प्रारंभ होगा। मित्रों की सहायता कर पाएंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

तुला - दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। सुख के साधन जुटेंगे। पराक्रम बढ़ेगा। घर में मेहमानों का आगमन होगा।

वृश्चिक - शारीरिक कष्ट से बाधा संभव है। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। अप्रत्याशित लाभ होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता प्राप्त होगा।

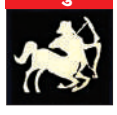

धनु - यात्रा में सावधानी रखें। जल्दबाजी से हानि होगी। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। पुराना रोग उभर सकता है।

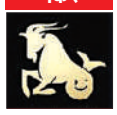

मकर - कोई बड़ी बाधा आ सकती है। राजभय रहेगा। जल्दबाजी से काम बिगड़ेंगे। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

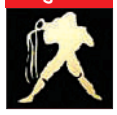

कुम्भ - नई योजना बनेगी जिसका लाभ तुरंत नहीं मिलेगा। सामाजिक कार्य करने में रुचि रहेगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। शारीरिक कष्ट संभव है। चिंता तथा तनाव हावी रहेंगे।

मीन - पूजा-पाठ में मन लगेगा। कोर्ट व कचहरी के काम बनेंगे। अध्यात्म में रुचि बढ़ेगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। नौकरी में चैन रहेगा। निवेश शुभ रहेगा।

विक्की कौशल के साथ 'जरा हटके जरा बच के' में रोमांस करेंगी सारा

विक्की कौशल और सारा अली खान पहली बार ऑनस्क्रीन रोमांस करते नजर आएंगे। इनकी फिल्म का टाइटल भी फाइनली सामने आ गया है। बुधवार को Jio Studios ने अपनी अपकमिंग फिल्मों और वेब सीरीज की अनाउंसमेंट की थी। इसी दौरान विक्की और सारा की अपकमिंग फिल्म का टाइटल अनाउंस किया गया। स्टूडियो ने अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट्स की झलकियां भी शेयर की थीं।

विक्की कौशल और सारा अली खान की अपकमिंग फिल्म का नाम जरा हटके जरा बच के है। इसे लक्ष्मण उटेकर ने डायरेक्ट किया है और ये एक रोमांटिक कॉमेडी बताई जा रही है। हाल ही में फिल्म के सेट से कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आई थीं। तस्वीरों में सारा को ब्लू और रेड कलर की खूबसूरत साड़ी पहने और मंगलसूत्र और चूड़ियां पहने देखा गया था। वहीं विक्की कैजुअल आउटफिट में बाइक चलाते नजर आए थे।

बॉलीवुड | मसाला

शूटिंग रैप-अप होने पर सारा ने लिखा था इमोशनल नोट

शूटिंग खत्म करने के बाद सारा ने एक इमोशनल नोट भी लिखा था। जिसमें उन्होंने अपनी टीम के लिए ग्रेटिट्यूड जाहिर किया था। सारा ने लिखा था, विश्वास नहीं हो रहा है कि यह पहले ही खत्म हो चुकी है।

मुझे सौम्या देने के लिए लक्ष्मण उटेकर सर थैंक्यू। गाइडेंस, धैर्य और सपोर्ट के लिए थैंक्यू। हमेशा इतना समझने और हमेशा मुझे बेहतर और बेहतर करने के लिए प्रेरित करने के लिए धन्यवाद।

शारीब हाशमी ने भी कुछ टाइम पहले सेट से पूरी क्रू और स्टार कास्ट के साथ ग्रुप तस्वीर शेयर की थी। तस्वीर में सारा अली खान और विक्की कौशल के साथ पूरी क्रू टीम हैप्पी पोज देती नजर आ रीह है। इस तस्वीर के साथ शारीब हाशमी ने डायरेक्टर समेत वरू के सभी मेंबर्स को थैंक्यू कहा था।

प्रकाश झा की लालबत्ती से ओटीटी पर कमबैक करेंगे नाना पाटेकर

नाना पाटेकर जल्द ही ओटीटी प्लेटफॉर्म के जरिए कमबैक करने जा रहे हैं। प्रकाश झा की वेब सीरीज लाल बत्ती में वो नजर आएंगे। सामाजिक-राजनीतिक मुद्दों पर ये वेब सीरीज आधारित होगी। जियो स्टूडियोज के कंटेंट स्लेट के एक पार्ट में बुधवार को इस वेब सीरीज का एलान किया गया। मुंबई के जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में स्टार-स्टडेड इवेंट का आयोजन किया गया जहां इस वेब सीरीज की काफी चर्चा रही।

बता दें, ये वेब सीरीज हिंदी, मराठी, बांग्ला, गुजराती, भोजपुरी और दक्षिणी सहित कुल 100 भाषाओं से अधिक कहानियों के साथ रिलीज के लिए तैयार हैं। राज कुमार हिरानी, सूरज बड़जात्या, अली अब्बास जफर, आदित्य धर, प्रकाश झा, अमर कौशिक और लक्ष्मण उटेकर सहित हिंदी सिनेमा के कुछ सबसे बड़े निर्देशक स्लेट के हिस्से के रूप में अपने प्रोजेक्ट को जारी करेंगे। स्लेट में फिल्म लाइन-अप में डंकी, ब्लडी डैडी, भेड़िया-2, भूल चुक माफ, शाहिद कपूर और कृति सेनन की अनटाइल्ड फिल्म, स्त्री-2, सेक्शन 84, शामिल हैं। बता दें, नाना पाटेकर हिंदी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता माने जाते हैं। मीटू आरोपों के चलते नाना पाटेकर कुछ समय से फिल्मों से दूर थे। साल 2018 में नाना पाटेकर पर एक्ट्रेस तनुश्री दत्ता ने यौन शोषण के आरोप लगाया था। वर्कफ्रंट की बात करें तो नाना पाटेकर हाल ही में फिल्म तड़का में नजर आए थे, जो ओटीटी प्लेटफॉर्म जी-फाइव पर रिलीज हुई थी। इसमें एक्ट्रेस तापसी पन्नू, श्रिया सरन का अहम रोल देखने को मिला था। वहीं 2020 में आई फिल्म इट्स माई लाइफ में भी वो नजर आए थे। अब फैंस को इंतजार है अभिनेता की वेब सीरीज लाल बत्ती का।

बॉलीवुड | मन की बात

मुझे कभी काली और मोटी का मारा जाता था ताना : काजोल

काजोल ने 1992 में 17 साल की उम्र में 'बेखुदी' के साथ बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इसके बाद उन्होंने शाहरुख खान के साथ 1993 की फिल्म 'बाजीग'र के साथ कमर्शियल सक्सेस हासिल की और तब से पीछे मुड़कर नहीं देखा। वहीं एक नए इंटरव्यू में काजोल ने अपनी स्किन के साथ अपने स्ट्रगल के बारे में बात की और बताया कि जब उन्होंने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में एंट्री की तब कैसे उन्हें उनकी स्किन से जज किया गया था। एक्ट्रेस ने ये भी खुलासा किया था कि उन्होंने गोरी होने के लिए कोई सर्जरी नहीं कराई थी।

हूमन्स ऑफ बॉम्बे के चैट शो में काजोल ने खुलासा किया कि उन्हें सांवली, मोटी और हमेशा ऐनक पहनने वाली कहा जाता था। हालांकि। वह इससे कभी भी परेशान नहीं हुईं। वह जानती थी कि वह शांत, स्मार्ट और उन सभी लोगों से बेहतर है जो उनके बारे में निगेटिव कमेंट कर रहे थे। काजोल ने ये कबूल किया कि उन्हें अपनी स्किन टोन के साथ स्ट्रगल करना पड़ा और ये विश्वास करने के लिए भी संघर्ष किया कि वह वास्तव में सुंदर है। उन्होंने कहा कि वह लगभग 32-33 साल की थी जब उन्होंने वास्तव में आईने में देखना शुरू किया और खुद को बताया कि वह काफी अच्छी दिखती हैं। उन्होंने कहा कि और वो वैसे ही बनी रहीं। बता दें कि एक पुराने इंटरव्यू में काजोल ने स्किन व्हाइटनिंग सर्जरी कराने से इनकार किया था और चुटकी लेते हुए कहा था कि वह अभी-अभी धूप से बची हैं। उन्होंने ये भी कहा था कि वह अपनी लाइफ के 10 सालों तक धूप में काम कर रही थीं जिससे वह टैन हो गई थीं। एक्ट्रेस ने कहा था कि अब जब वह धूप में काम नहीं कर रही थी और घर पर रहने की वजह से वह अनटैन्ड हो गईं।

इस जनजाति में गोरा बच्चा पैदा होना माना जाता है पाप, जन्म लेते ही कर दी जाती है हत्या!

दुनिया में कई अजीबोंगरीब मान्यताएं हैं, जिनके बारे में जानकर लोग हैरत में पड़ जाते हैं। हर मां-बाप की इच्छा होती है कि उसका बच्चा गोरा और सुंदर हो। दुनिया में एक ऐसी जगह है, जहां गोरा बच्चा पैदा करना पाप माना जाता है। आप जानकर हैरत में पड़ जाएंगे कि भारत में यह जगह है। केंद्र शासित राज्य अंडमान में एक जारवा नाम की जनजाति रहती है।

अंडमान में रहने वाली यह जनजाति दुनिया की सबसे पुरानी जनजातियों में से एक है। जारवा जनजाति में एक क्रूर प्रथा का पालन किया जाता है, जो बेहद प्रचलित है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, यहां पर किसी घर में गोरा बच्चा जन्म लेता है, तो उसका कत्ल कर दिया जाता है। यहां पर गोरे बच्चे को अभिशाप माना जाता है। माना जाता है कि यह जनजाति अफ्रीका का मूल निवासी है। जारवा जनजाति में अधिकतर लोगों का रंग काला होता है। अगर इस जनजाति में किसी महिला का बच्चा गोरा होता है, तो लोग मानते हैं कि बच्चा किसी और जनजाति का है। इस जनजाति की एक अनोखी बात यह है कि यहां पर किसी बच्चे का जन्म होता है, तो उसको पूरे कबीले की महिलाओं का दूध पिलाया जाता है। बताया जाता है कि सभी महिलाओं के स्तनपान कराने से समुदाय की शुद्धता बरकरार रहती है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, 90 के दशक में इस जनजाति का पता चला था। हालांकि भारत सरकार ने इनकी तस्वीरों को खींचने या सोशल मीडिया पर पोस्ट करने को लेकर सख्त कानून बनाए हैं। अगर कोई इनकी तस्वीर लेता है और उसे सोशल मीडिया पर अपलोड करता है, तो उसे जेल जाना पड़ सकता है। इसके साथ ही उस पर जुर्माना भी लगाया जा सकता है। जारवा जनजाति में लोग अंधविश्वास पर बहुत ज्यादा यकीन करते हैं। इस जनजाति के लोगों का मानना है कि अगर कोई गर्भवती महिला जानवर का खून पीती है, तो उसका बच्चा काले रंग का होगा। यहां पर समाज में सिर्फ काले रंग के बच्चों को मान्यता मिली हुई है।

अजब-गजब | केबिन क्रू ने किया राजा जैसा वेलकम

सिर्फ एक पैसेंजर लेकर उड़ा विमान

आजकल विमान में यात्रा करना बस और रेल में सफर करने के बराबर हो गया है। देश-दुनिया में लाखों लोग रोजाना ट्रैवल करते हैं और शायद ही कोई फ्लाइट हो जो पूरी तरह से भरकर न जाती है। सीट के लिए मारामारी मची रहती है। मनमुताबिक सीट के लिए लोग एक्स्ट्रा पैसे भी चुकाते हैं। लेकिन ब्रिटेन में एक पैसेंजर नहीं अकेले विमान में उड़ान भरी। विमान में केबिन क्रू के 3 मेंबर के अलावा और कोई नहीं था। आखिर यह हुआ कैसे? आइए जानते हैं। पॉल विल्किंसन को लंकाशायर से पुर्तगाल जाना था। मगर जब वे एयरपोर्ट पहुंचे तो यह देखकर घबरा गए कि बोर्डिंग वाली जगह और कोई भी पैसेंजर नहीं था। उन्हें लगा कि शायद उड़ान रद्द कर दी गई है, या उन्हें पहुंचने में देरी हो गई है। उन्होंने कर्मचारियों से भी यही सवाल किया। मगर उनकी ओर से जो जवाब आया उसे सुनकर वह दंग रह गए। बोर्डिंग कर्मियों ने कहा, आप आप हमारे वीआईपी गेस्ट हैं, क्योंकि आपके अलावा कोई और पैसेंजर इस प्लेन में नहीं है।

टेकऑफ से पहले कप्तान ने बातचीत भी की

पॉल वहां से डबल शटल बस में प्लेन तक गए। वहां केबिन क्रू ने उनका राजा की तरह वेलकम किया। क्रू मेंबर्स उन्हें किंग पॉल कहकर बुला रहे थे। टेकऑफ से पहले कप्तान उनसे बातचीत भी की। सबने उनके साथ फोटो भी खिंचवाई। पॉल ने कहा, ऐसा लग रहा था कि जैसे मैं अपने निजी जेट में सफर कर रहा हूं। इतना प्यार और सम्मान मिला जिसकी कल्पना भी नहीं कर सकते थे। मैं किसी भी सीट पर सफर कर सकता था। शायद फिर ऐसा कभी नहीं होगा। लंकाशायर से पुर्तगाल के लिए अगर आप निजी जेट लेते हैं तो उसका किराया तकरीबन 28,000 पाउंड तक होता है, लेकिन पॉल ने 3 घंटे की इस फ्लाइट के लिए महज 130 पाउंड खर्च किए थे। उनके स्वागत के लिए तीन क्रू मेंबर मौजूद थे। जब पॉल पहुंचे तो क्रेबिन क्रू मेंबर्स मुस्कुरा रहे थे। रास्तेभर वे किंग पॉल बुलाते रहे। मुझे लगा कि पूरा विमान मेरा है। मैं जो चाहूं मांग सकता हूं। हालांकि, बाद में मैनें मजाक में अपनी सीट का रिफंड मांगा, तो उन्होंने भी कहा- आपको तो 2800 पाउंड चुकाना चाहिए। Jet-2 के प्रवक्ता ने इसकी वजह बताते हुए कहा, हमें खुशी है कि मिस्टर विलकिंसन हमारी अवार्ड विनिंग कस्टमर सर्विस का अनुभव कर पाए। हमें लगता है कि कल बंद था और बहुत सारे लोग छुट्टी मनाने पहले ही पुर्तगाल पहुंच गए थे। इस विमान से जाने के लिए कोई पैसेंजर नहीं था।

जनता से झूठ और अन्याय मैं बर्दाश्त नहीं करूंगा: कमलनाथ

» सीएम पर पलटवार - लोगों की भलाई करने वाली योजनाएं क्यों बंद की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश में चुनाव में छह माह से भी कम का समय बचा है। सीएम शिवराज और पूर्व सीएम कमलनाथ के बीच चुनावी वादों को लेकर सवाल-जवाब का दौर लगातार चल रहा है। इस बीच पूर्व सीएम कमलनाथ ने शिवराज सिंह चौहान पर निशाना साधा है।

पूर्व सीएम और पीसीसी चीफ कमलनाथ ने कहा कि शिवराज जी मैंने सुना है कि आजकल आप अपने मुखारविंद से हर रोज एक नया झूठ

बोल रहे हैं कि कमलनाथ ने योजनाएं बंद कर दीं। मेरे बारे में रोज अनर्गल बोलना आपकी आदत बन गई है, उससे मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। लेकिन मध्य प्रदेश की जनता से झूठ और अन्याय मैं बर्दाश्त नहीं करूंगा। आप ईश्वर को और मध्य प्रदेश की जनता को साक्षी मानकर जीवन में एक बार सच बोलिए और बताइए के मध्य प्रदेश के करोड़ों किसानों का हित करने वाली किसान कर्ज माफी योजना को आपने क्यों बंद कर दिया और 38 लाख किसानों को क्यों डिफाल्टर बना दिया?

जनता आपसे भाषण नहीं जवाब और समाधान चाहती

पूर्व सीएम ने कहा कि आप बताइए कि महंगाई की मार से जूझ रही मध्य प्रदेश की जनता को कांग्रेस सरकार ?100 में 100 यूनिट बिजली दे रही थी, आपने जनता का भला करने वाली इस योजना को क्यों बंद कर दिया? प्रदेश के किसान और आम आदमी के हित में चलाई गई योजनाओं को आखिर आपने किस नियत से बंद किया? जनता आपसे भाषण नहीं, जवाब और समाधान चाहती है।

आने वाले दिनों में और चढ़ेगा पारा, मौसम निकालेगा पसीना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने को गर्मी और लू को लेकर अलर्ट जारी किया। मौसम विभाग ने बताया कि गंगीय पश्चिम बंगाल, ओडिशा, आंध्र प्रदेश और बिहार के कुछ हिस्सों में अगले तीन से चार दिनों में लू की स्थिति बनी रह सकती है। इस महीने की शुरुआत में मौसम विभाग ने उत्तर पश्चिम और प्रायद्वीपीय क्षेत्रों को छोड़कर अप्रैल से जून तक देश के अधिकांश हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक रहने का अनुमान जताया था।

आईएमडी के अनुसार, इस अवधि के दौरान मध्य, पूर्व और उत्तर-पश्चिम भारत के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से अधिक लू के दिनों की उम्मीद है। गंगीय पश्चिम बंगाल के अलग-अलग हिस्सों में सोमवार (17 अप्रैल), उत्तर तटीय आंध्र प्रदेश और ओडिशा में शनिवार (15 अप्रैल) तक और बिहार में 15 अप्रैल से 17 अप्रैल तक लू चलने के आसार हैं। मध्य और उत्तरी प्रायद्वीपीय भारत में अधिकतम तापमान वर्तमान में 40 से 42 डिग्री सेल्सियस के बीच चल रहा है। मौसम विभाग ने कहा कि पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र और पूर्वोत्तर भारत, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, ओडिशा, तटीय आंध्र प्रदेश और केरल के कई हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से तीन से पांच डिग्री अधिक है। आईएमडी ने एक विस्तारित अवधि के पूर्वानुमान में कहा कि 20 अप्रैल से 26 अप्रैल के बीच कुछ दिनों में बिहार, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और आंध्र प्रदेश के कुछ हिस्सों में लू चलने की संभावना है।

फोटो: 4पीएम

श्रद्धांजलि फायर दिवस के मौके पर हजरतगंज इससे फायर ऑफिस में शहीद हुए फायर कर्मियों को DG फायर अविनाश चंद्र और लखनऊ कमिश्नर दी श्रद्धांजलि।

फोटो :4 पीएम

बैशाखी पर्व नाका हिंडोला स्थित गुरुद्वारे में सिखों के नववर्ष के रूप में मनाया जाने वाला बैशाखी पर्व मनाया गया। हर वर्ष अप्रैल के महीने में बैशाखी का पावन पर्व मनाया जाता है। जिसमें उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक शामिल हुए।

मौलाना राबे हसनी नदवी किये गये सुपुर्द-ए-खाक

» शिक्षा और भाईचारे की जलायी थी अलख

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुस्लिम समुदाय के सबसे बड़े और प्रभावशाली संगठन ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के अध्यक्ष मौलाना सैयद राबे हसनी नदवी को आज सुपुर्दे-ए-खाक कर दिया गया। इस अवसर पर भारी संख्या में लोग उपस्थित रहे। उनके इंतकाल पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह व उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने शोक जताया।

मौलाना सैयद राबे हसनी नदवी का बृहस्पतिवार को निधन हो गया था। मौलाना राबे हसनी नदवी कई दिनों से बीमार चल रहे थे। उन्हें बीते शुक्रवार को इलाज के लिये रायबरेली से लखनऊ लाया गया था। करीब 94 वर्षीय बुजुर्ग आलिम ए दीन मौलाना राबे की शाम करीब चार बजे सांसें थम गईं। मौलाना सैयद राबे हसनी नदवी रमजान के महीने में रायबरेली स्थित अपने आवास पर ही रह कर इबादत करते थे। बीते सोमवार को उनको सीने जकड़न और निमोनिया की शिकायत के बाद बीते शुक्रवार को लखनऊ लाया गया। यहां पर नदवा स्थित मेहमानखाने में उन्हें चिकित्सकों की निगरानी रखा गया था। कल शाम को अचानक उनको सांस लेने में दिक्कत हुई और उनका इंतेकाल हो गया। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के कार्यकारिणी सदस्य मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने बताया कि रात नदवा में उनके जनाजे की नमाज अदा कराने के बाद सुबह आठ बजे उनके जनाजे की नमाज फिर से रायबरेली में हुई। इसके बाद सुबह उन्हें सुपुर्द ए खाक किया गया। मौलाना राबे को पुरसा देने के लिये मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली, शिया धर्मगुरू मौलाना सैफ अब्बास नकवी, अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री दानिश आजाद अंसारी, उर्दू अकादमी के चेयरमैन कैफुल वरा, मौलाना अब्दुल अली फारूकी, इंट्रीग्रल विश्वविद्यालय के कुलपति वसीम अख्तर के अलावा शहर के तमाम उलमा, सामाजिक कार्यकर्ता और उनके चाहने वालों ने नदवा पहुंच कर खिराजे अकीदत पेश की।

अमित शाह के बीरभूम दौरे से कुछ घंटों पहले मिला भारी विस्फोटक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के बीरभूम आ रहे हैं। वह ऐसे मौके पर आ रहे हैं जब अगले दिन बंगाली नववर्ष शुरू होगा। अमित शाह के बीरभूम दौरे की तमाम तैयारियों के बीच उनकी सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं।

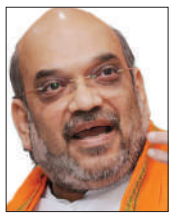

शाह के बीरभूम आने के कुछ घंटों पहले एक कार से भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद हुई है। यह कार स्कॉर्पियो है जो गुसलारा बाईपास के बगल में एक ईंट भट्टे के पास सड़क किनारे खड़ी थी। संदिग्ध गाड़ी को लेकर जब कोई दावा करने नहीं आया तो पुलिस को सूचना दी है। पुलिस ने जांच की तो होश उड़ गए। स्कॉर्पियों में 17 बक्से रखे मिले जिनमें 3400 जिलेटिन की छड़ें बरामद की गई हैं। पुलिस ने बताया कि हर एक बैक्से में 200 जिलेटिन की छड़ें रखी थीं। विस्फोटक को निष्क्रिय करने के लिए बम निरोधक दस्ते को मौके पर बुलाया गया। पुलिस ने स्कॉर्पियों को कब्जे में ले लिया है।

गुजरात टाइटंस की तीसरी जीत

» पंजाब किंग्स को छह विकेट से हराया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मोहाली। गुजरात टाइटंस ने पंजाब किंग्स को हराकर आईपीएल 2023 में तीसरी जीत दर्ज की है। इस जीत के साथ ही गुजरात की टीम अंक तालिका में शीर्ष चार टीमों में पहुंच गई है। इस मैच में पंजाब किंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 153 रन बनाए थे और गुजरात ने चार विकेट खोकर एक गेंद रहते लक्ष्य हासिल कर लिया। पंजाब के लिए सबसे ज्यादा 36 रन मैथ्यू शॉर्ट ने बनाए। उनके अलावा मध्यक्रम के चार बल्लेबाजों ने 20 से 25 के बीच का स्कोर बनाया। गुजरात के लिए मोहित शर्मा ने दो विकेट लिए। वहीं, बाकी सभी गेंदबाजों को एक-एक विकेट मिला। गुजरात के लिए शुभमन गिल ने 67 रन की

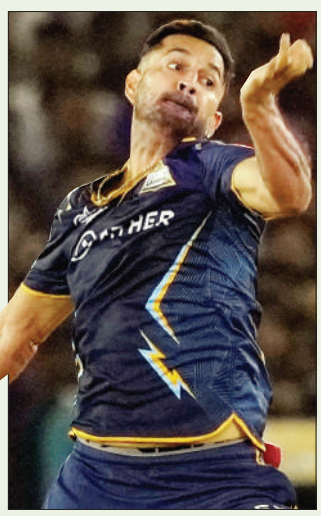

शानदार पारी खेली। वहीं, ऋद्धिमान साहा ने 30 रन बनाए। पंजाब के लिए अर्शदीप, रबाडा, सैम करन और हरप्रीत बराड़ ने एक-एक विकेट लिए।

आईपीएल 2023 का रोमांच अपने चरम पर है। पिछले कुछ दिनों में कुछ बेहद दिलचस्प मैच खेले गए हैं, जिनमें एकदम आखिरी गेंद पर जाकर मैच का नतीजा निकला है। आईपीएल दुनिया की सबसे बड़ी टी20 क्रिकेट लीग। इस टूर्नामेंट में न सिर्फ आपके पास खुद को साबित करने के लिए बड़ा प्लेटफॉर्म होता है, बल्कि कुछ खास करने पर आप अपनी टीम और फैंस के लिए हीरो भी बन जाते हैं। कुछ ऐसा ही मोहित शर्मा ने भी कर दिखाया है।

इस पूर्व भारतीय गेंदबाज ने गुरुवार को गुजरात टाइटंस टीम से खेलते हुए पंजाब किंग्स खिलाफ दो विकेट झटके और प्लेयर ऑफ द मैच भी बने। खास बात यह थी कि मोहित 30 महीने बाद कोई आईपीएल मैच खेल रहे थे। इस बीच उन्हें क्या कुछ नहीं सहना पड़ा है, लेकिन मोहित ने हार नहीं मानी और दमदार वापसी करते हुए अपनी टीम को जीत दिलाई। आइए जानते हैं मोहित के जीवन में किस प्रकार ट्विस्ट एंड टर्न्स आए। मोहित ने 2013 में चेन्नई सुपर किंग्स की ओर से आईपीएल में डेब्यू करते हुए 15 मैचों में 20 विकेट चटकाए थे। उनके इस शानदार प्रदर्शन के कारण उन्हें भारतीय टीम में जगह मिली थी। इसके बाद वह भारत के लिए जिम्बाब्वे के खिलाफ डेब्यू करते हुए अपने पहले वनडे में ही मैन ऑफ दी मैच बने थे। मोहित आईपीएल 2014 में सबसे अधिक विकेट लेने के साथ पर्पल कैप विनर भी रहे थे। तब उन्होंने 16 मैचों में 23 विकेट झटके थे। इसका इनाम उन्हें 2014 टी-20 विश्व कप के लिए भारतीय स्क्वॉड में शामिल कर दिया गया।

सीएम योगी, अखिलेश, मायावती व खाबरी ने डॉ. आंबेडकर को अर्पित की श्रद्धांजलि

बाबा साहेब के सपनों को साकार करने की अपील

जयंती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

फोटोः सुमित कुमार

लखनऊ। बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के जन्मदिन पर सीएम योगी, नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव व बसपा प्रमुख मायावती ने उन्हें विनम्र पुष्पांजलि दी। वही अखिलेश यादव ने मध्यप्रदेश में आरएलडी अध्यक्ष जयंत चौधरी व आसपा अध्यक्ष शेखर आज़ाद के साथ बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जन्मस्थली पर उन्हें पुष्प अर्पित की।

वहीं सीएम योगी ना केवल भारत बल्कि दुनिया के सभी दमित, शोषित और वंचितों की आवाज हैं। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के लिए दुनिया का सबसे बड़ा संविधान बनाकर उन्होंने एक नये युग का सूत्रपात किया। दुनिया में किसी भी पीड़ित को आवाज देनी हो बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर हमेशा प्रकाश पुंज के रूप में उदाहरण होते हैं। वंचितों का उत्थान अब केवल नारा नहीं है, बाबा साहेब का सपना आज धरातल पर साकार होता दिख रहा है। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को भारत रत्न बोधिसत्व बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती पर अंबेडकर महासभा की ओर से आयोजित कार्यक्रम के दौरान कही। इससे पूर्व उन्होंने हजरतगंज स्थित बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए उन्हें प्रदेश सरकार की ओर से विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह, कैबिनेट मंत्री संजय निषाद, असीम अरुण, केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर, पूर्व मंत्री रमापति शास्त्री, अंबेडकर महासभा के अध्यक्ष लालजी प्रसाद निर्मल, उपाध्यक्ष रामनरेश चौधरी सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

भारत रत्न बाबा साहब डा भीमराव अम्बेडकर की जयंती पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बृजलाल खाबरी ने प्रदेशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं, अपने शुभकामना संदेश में प्रदेश अध्यक्ष बृजलाल खाबरी ने कहा है कि बाबा साहब भीमराव आंबेडकर ने भारत को एकता और समानता के सूत्र में बांधने वाला सबसे बड़ा ग्रंथ है। उनकी जयंती पर हम संविधान की रक्षा और संविधान के पालन का संकल्प का स्मरण करें यही उनको सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

बसपा की स्थापना से हुआ यूपी का भला: मायावती

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने अम्बेडकर जयंती पर प्रदेश की जनता को बधाई दी। इस दौरान उन्होंने विपक्षी पार्टियों पर बसपा को कमजोर करने का आरोप भी लगाया। मायावती ने कहा कि अति-मानवतावादी व कल्याणकारी संविधान देकर आधुनिक भारत की मजबूत नींव रखने वाले परमपूज्य बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर को आज उनकी जयंती पर शत-शत नमन व अपार श्रद्धा सुमन अर्पित। उनका जीवन संघर्ष करोड़ों गरीबों, मजदूरों, वंचितों व अन्य मेहनतकशों के लिए आज भी उम्मीद की किरण। बसपा प्रमुख ने यह भी कहा किउनसे प्रेरणा लेकर उनके आत्म-सम्मान व स्वाभिमान के रुके कारवाँ को आगे बढ़ाने तथा जाति के आधार पर तोड़े गए लोगों को जोड़ने के लिए आज ही के दिन 14 अप्रैल सन 1984 को बहुजन समाज पार्टी की देश में स्थापना की गई, जो खासकर यूपी में सामाजिक परिवर्तन व आर्थिक मुक्ति की मिसाल बना।

आंचल फैला कर भीख मांग लूंगी पर दिल्ली से नहीं मांगूगीं : ममता

» मनरेगा कोष रोकने के लिए केंद्र सरकार पर निशाना साधा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल का मनरेगा कोष रोकने के लिए केंद्र सरकार पर निशाना साधा। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि मेरे मन में बस यही होता है कि लोग मुझे कभी गलत न समझें। कभी-कभी हमें फंड दिया जाता है, कभी-कभी नहीं दिया जाता। अभी सुनने में आ रहा है कि हमें 2024 तक कुछ नहीं दिया जाएगा।

ममता ने आगे कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो साड़ी का आंचल फैला कर माताओं के सामने भीख मांग लूंगी लेकिन दिल्ली से भीख मांगने कभी नहीं जाऊंगी। उन्होंने गृहमंत्री अमित शाह से राज्य के अपने निक ट दौरे के दौरान केंद्र का रुख साफ करने को कहा। उधर, टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने भी केंद्र पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि गरीबों को उनके बकाये से वंचित करना जबरन मजदूरी कराने के बराबर है और संवैधानिक मानदंडों का उल्लंघन है। बीजेपी ने पलटवार करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार ने पिछले तीन सालों के दौरान योजना के खर्च का ब्यौरा नहीं दिया है।

बिहार में भीम आर्मी नेता की शवयात्रा के दौरान बवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हाजीपुर। लालगंज थाना क्षेत्र के पंचदमिया में भीम आर्मी के जिला संरक्षक एवं रालोजपा दलित सेना के राष्ट्रीय सचिव राकेश पासवान की हत्या कर दी गई। उनकी हत्या के बाद से ही क्षेत्र में तनाव है। वहीं, राकेश पासवान की शव यात्रा के दौरान समर्थकों ने जमकर उत्पात मचाया।

दलित नेता राकेश पासवान की शव यात्रा के दौरान समर्थकों ने लालगंज बाजार में तोड़फोड़ की। लालगंज के तीनपुलवा चौक पर दुकान में तोड़फोड़ और जमकर उत्पात करते हुए आक्रोशित लोग गांधी चौक की तरफ बढ़ गए। आक्रोशितों ने हाथ में भीम आर्मी का झंडा थाम रखा है। शव यात्रा में हजारों की संख्या में लोग शामिल हैं। समर्थकों ने लालगंज थाना पर चढ़ाई का प्रयास किया।

संविदा कर्मी से काम कराया तीन साल, दो साल का भुगतान हड़पा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। वन विभाग द्वारा काम करवाने के बाद पूरा भुगतान न दिए जाने का मामला प्रकाश में आया है। इसकी शिकायत भुक्तभोगी द्वारा बड़े अधिकारियों को भी दी गई। यह जानकारी पीड़ित के अधिवक्ता की ओर से दी गई है।

जानकारी के अनुसार उत्तरखीरी वन प्रभाग में वृक्षारोपण के लिए तहसील निघासन जनपद खीरी के गांव बौधिया कला में वहीं के निशक्त, दलित युवक मुनेश पुत्र तौलेराम जाति पासी को जुलाई 2019 से 52 सौ रुपये प्रतिमाह पर रेंजर मझगई द्वारा संविदा पर काम करने के लिए रखा गया था। उसने पूरी मेहनत से तीन साल तक वहां काम किया। श्रमिक का वेतन उसके खाता संख्या (इलाहाबाद बैंक जो अब इंडियन बैंक है) 59101640847 में डाला जाता था। रेंजर मझगई द्वारा एक साल तो भुगतान किया गया परंतु दो साल का वेतन नही दिया गया। श्रमिक की पूरी धनराशि तो हड़पी ही गई उसको काम से भी हटा दिया गया। अपने वेतन के लिए श्रमिक व उसके पिता द्वारा रेंज के अधिकारियों व कर्मियों से कई बार गुहार लगाई पर कोई सुनवाई नही हुई। अधिवक्ता मोहम्द हैदर ने बताया कि उक्त प्रकरण की जानकारी फील्ड आफीसर दुधवा राष्ट्रीय उद्यान को भी भेजी गइ है।

पायलट पर जल्दबाजी में नहीं लेंगे फैसला : रंधावा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अनुशासनात्मक कार्रवाई फिलहाल ठंडे बस्ते में

जयपुर। राजस्थान के पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट पर अनुशासनात्मक कार्रवाई फिलहाल ठंडे बस्ते में जाने के आसार हैं, क्योंकि उन पर एक्शन की बात कहने वाले प्रदेश कांग्रेस प्रभारी सुखजिंदर सिंह के सुर बदल गए हैं। आलाकमान और राहुल गांधी से वार्ता के बाद अब रंधावा ने कहा है कि जल्दबाजी में फैसले नहीं होते, बड़े लीडर ही कुछ तय करेंगे। फोन पर मीडिया बातचीत में दिल्ली से रंधावा ने कहा कि पूरे मामले पर अभी विचार चल रहा है। हाईकमान को अभी प्रारंभिक जानकारी दी गई है, लेकिन अभी डिटेल में भी जानकारी दी जाएगी। हमने राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष से चर्चा की है। वरिष्ठ नेताओं से बातचीत करने के बाद ही कोई फैसले होते हैं, जिसमें समय लगेगा। जल्दबाजी में फैसले नहीं किए जाते।

पायलट और कांग्रेस दोनों ने मौन धारण किया

पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट और कांग्रेस पार्टी दोनों ने ही अब मौन धारण कर लिया है। गुरुवार को नई दिल्ली में मुलाकातों का दौर चला, लेकिन किसी ने इस बारे में कुछ नहीं बोला। कांग्रेस आलाकमान राजस्थान में सीएम नहीं बना सकी। मुखिया का तख्ता पलट नहीं हो सका, इसका दर्द सचिन पायलट के साथ प्रियंका और राहुल गांधी को भी है। शायद यही वो कारण है कि कांग्रेस हाईकमान सचिन पायलट के बगावती तेवरों, प्रेसवार्ता के बयान और अनशन मामले पर जल्दबाजी में कुछ फैसला नहीं करना चाहता है। सचिन पायलट पार्टी में बड़ा युवा चेहरा हैं। हिमाचल में पिछले दिनों कांग्रेस पार्टी को जीत दिलाने में उनकी भूमिका रही है। कांग्रेस के सीनियर नेता उन्हें एसेट मानते हैं।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक बबिता चतुर्वेदी के लिए 4पीएम आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। प्रधान संपादक- अर्चना दयाल, संपादक - संजय शर्मा, स्थानीय संपादक - सूर्यकांत त्रिपाठी*, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 । Email: daily4pm@gmail.com । website: www.4pm.co.in । RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।